तापमान
अधिकतम 25 .4 डिग्री
न्यूनतम 3 .0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार 20 जनवरी 2026

11 सॉफ्टबॉल में लाल नाथ हिंदू कॉलेज की टीम ने जाट ..

12 12 फरवरी की हड़ताल को लेकर कर्मचारी संगठनों ...

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- गणतंत्र दिवस के मद्देनज़र जिले में पुलिस का सर्चिंग एवं कॉम्बिंग अभियान

खबर संक्षेप

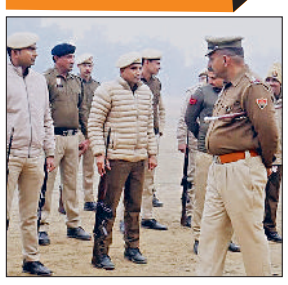

पुलिस को भीड़ नियंत्रण के लिए दिए दिशा-निर्देश

रोहतक। पुलिस लाइन में सोमवार को साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। परेड में जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारी, पुलिस कार्यालयों के अधिकारी तथा जिला रोहतक में तैनात पुलिस जवानों ने भाग लिया। परेड के दौरान जवानों से शारीरिक अभ्यास कराया गया और उन्हें कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंगा-निरोधक उपकरणों के प्रयोग, भीड़ नियंत्रण तथा यातायात नियमों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने जवानों को अनुशासन, सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व पर भी जोर दिया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि जिला पुलिस हर प्रकार की आपात एवं विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। नियमित परेड व प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाना और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सफेद झींगा पालन करके किसान बढ़ा सकते हैं आय

रोहतक। सरकार द्वारा मत्स्य विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सफेद झींगा पालन शुरू किया गया है। जिसका मुख्य उलवणीय भूमि को उपयोग में लाकर बेरोजगार व्यक्तियों को सफेद झींगा पालन करवाकर अधिक आय के स्त्रोत उपलब्ध करवाना है। डीसी सचिन गुप्ता ने बताया कि जिला में 86 हेक्टेयर में झींगा पालन किया जा रहा है। लवणीय भूमि में मत्स्य विभाग के प्रयासों से सफेद झींगा पालन किया गया। राज्य में खारे पानी से ग्रस्त भूमि को झींगा पालन के उपयोग में लाकर अच्छी आय का साधन उपलब्ध करवाया जा रहा है। सफेद झींगा पालन महत्वपूर्ण है। यह तेजी से वृद्धि करता है तथा 120 से 125 दिनों में ही इसका भार 25-35 ग्राम तक हो जाता है।

कानून को खुली चुनौती दहशत में आमजन

एक तरफ सख्ती, दूसरी तरफ शाम होते ही सड़कों पर छलकते हैं जाम

कार-ओ-बार व किन्नर 'कॉकटेल'

1. शीला बाईपास, दिल्ली बाईपास से आईएमटी तक खुलेआम शराब पीते दिखाई देते हैं युवा
2. किन्नर भी सड़कों पर खड़े होकर अक्सर गाड़ी रुकवाते देखे जा सकते हैं
3. असामाजिक तत्वों का जमावड़ा कानून व्यवस्था को दे रहा बड़ी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर में एक तरफ जहां पुलिस प्रतिदिन जांच अभियान चलाकर दावा कर रही है कि शहर पूरी तरह सुरक्षित है। वहीं, दूसरी तरफ प्रशासन की नाक तले सड़कों पर युवा खुलेआम गाड़ी रोककर 'जाम' छलकाते हैं और उसमें किन्नर 'कॉकटेल का तड़का' भी लगता है। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बावजूद शाम होते ही आईएमटी चौक से दिल्ली बाईपास व शीला बाईपास तक युवा गाड़ियों में जाम छलकाते नजर आते हैं। कोई टोके तो झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। कई बार बड़ी वारदात को भी अंजाम दे जाते हैं। दूसरी तरफ, किन्नर भी रंग-बिरंगे सूट पहनकर सड़क किनारे खड़े होकर अक्सर गाड़ी रुकवाते देखे जा सकते हैं। जो गाड़ी सवार युवकों के साथ नाचते और उन्हें शराब तक परोसते देखे जा सकते हैं। इस कारण इन रास्तों से गुजरने वाले आमजन दहशत में रहते हैं। डर है कि कोई बड़ी वारदात न हो जाए। इस तरह रात को असामाजिक तत्वों का जमावड़ा सड़कों पर दिखाई देता है जो कानून व्यवस्था को चुनौती देता नजर आता है और आमजन डर के साये में जी रहा है।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर सर्चिंग अभियान चलाते पुलिसकर्मी

बीच सड़क गाड़ी रुकवाते किन्नर!

पांच किमी तक बेखौफ नशे का खेल

शीला बाईपास व दिल्ली बाईपास से आईएमटी क्षेत्र के बीच की सड़कें इन दिनों नशे में हुड़दंग करने वालों का पसंदीदा ठिकाना है। स्थानीय लोगों के अनुसार, देर शाम और रात के समय कुछ वाहन चालक शराब पीने के बाद किन्नरों को गाड़ियों में बैठाकर सड़क किनारे या चलती गाड़ियों के पास डांस करवाते हैं। कई बार वाहन चालक बीच सड़क पर ही गाड़ी रोक देते हैं, जिससे पीछे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। ट्रैफिक जाम के साथ-साथ हादसों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, बीते एक साल में नशा कर वाहन चलाने वालों के सिर्फ 650 चालान ही कर पाई है।

गणतंत्र दिवस से जिले में सुरक्षा कड़ी

होटल, ढाबे, धर्मशाला और किरायेदारों की गहन जांच

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए रोहतक पुलिस द्वारा लगातार सर्चिंग एवं कॉम्बिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया के दिशा-निर्देशों के तहत सोमवार को रोहतक पुलिस की अलग-अलग टीमों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित होटल, ढाबे, धर्मशालाओं व अन्य ठहरने वाले स्थानों पर व्यापक जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान इन स्थानों पर ठहरे हुए व्यक्तियों की पहचान व रिकॉर्ड की गहनता से जांच की गई। पुलिस टीमों ने होटल व धर्मशाला संचालकों को सख्त हिदायत दी कि वे प्रत्येक व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करें और आधार कार्ड सहित वैध पहचान पत्र की फोटोकॉपी अपने रिकॉर्ड में अनिवार्य रूप से रखें।

शाम ढलते ही हालात और बिगड़ जाते

शाम ढलते ही कई इलाकों में हालात और बिगड़ जाते हैं। खासकर हाईवे, बाईपास और औद्योगिक क्षेत्रों की ओर जाने वाले रास्तों पर कारों में बैठे युवक शराब पीते नजर आते हैं। नशे की हालत में वाहन चलाने वालों को न तो ट्रैफिक नियमों की परवाह होती है और न ही दूसरों की सुरक्षा की। तेज रफ्तार, अचानक ब्रेक और गलत दिशा में वाहन मोड़ने जैसी हरकतें आम हो चुकी हैं। कई बार मामूली विवाद बड़े झगड़े का रूप ले लेते हैं।

पुलिस कार्रवाई तो कर रही लेकिन नहीं दिख रहा असर

पुलिस का कहना है कि नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जाती है और नियम तोड़ने वालों के चालान किए जाते हैं। बीते साल में 650 चालान इस बात का सबूत हैं कि पुलिस कार्रवाई कर रही है। हालांकि, आम जनता का मानना है कि यह कार्रवाई अभी भी नाकाफी है। लोगों का कहना है कि चालान के डर से कुछ समय के लिए लोग सतर्क हो जाते हैं, लेकिन फिर वही हालात लौट आते हैं। चेकिंग कुछ जगहों तक ही सीमित रहती है।

महिलाओं और बुजुर्गों में असुरक्षा की भावना

नशे में वाहन चलाने की बढ़ती घटनाओं से आम लोग नाराज भी हैं और डरे हुए भी। रोजमर्रा के काम से निकलने वाले लोग कहते हैं कि उन्हें हर समय हादसे का डर सताता रहता है। खासकर महिलाएं और बुजुर्ग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद हालात में ज्यादा सुधार नहीं दिखता। उनका मानना है कि अगर सख्ती के साथ-साथ नियमित निगरानी और सामाजिक जागरूकता बढ़ाई जाए, तभी इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

चालान नहीं, लाइसेंस रद्द किए जाएं : विशेषज्ञ

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल चालान काटना ही काफी नहीं है। इसके लिए सख्त कानूनी कार्रवाई, लाइसेंस रद्द करना, वाहन जब्त करना और बार-बार नियम तोड़ने वालों पर कड़ी नजर रखने की जरूरत है। साथ ही, नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को इसके दुष्परिणामों के बारे में समझाना भी जरूरी है।

नशे के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

नशा को लेकर लगातार लोगों को जागरूक किया जाता है। इसके अलावा लगातार चेकिंग अभियान भी जारी है। पिछले वर्ष नशा करने वालो के करीब 650 चालान भी किए है। फिलाहल अभियान लगातार जारी है।

-सुरेंद्र भौरिया, एसपी रोहतक

रोहतक स्टेशन पर विशेष तैयारियां की गईं गुवाहाटी से पीएम ने दिखाई थी हरी झंडी

वंदे भारत कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन आज दोपहर रोहतक पहुंचेगी

पूर्वोत्तर जाने वाले यात्रियों के साथ व्यापरियों को भी मिलेगी बड़ी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रेलवे स्टेशन पर मंगलवार का दिन ऐतिहासिक बनने जा रहा है। गुवाहाटी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई वंदे भारत कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन मंगलवार दोपहर रोहतक पहुंचेगी। इस अवसर पर स्टेशन पर भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें रेलवे अधिकारी, जनप्रतिनिधि और शहर के गणमान्य लोग शामिल होंगे।

रेलवे प्रशासन के अनुसार यह ट्रेन उत्तर भारत को पूर्वोत्तर से जोड़ने की दिशा में अहम कदम है। वंदे भारत एक्सप्रेस आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिसमें तेज गति, आरामदायक सीटें, स्वचालित दरवाजे, वाई-फाई, जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली और उन्नत सुरक्षा उपकरण शामिल हैं। रोहतक सहित हरियाणा के यात्रियों को गुवाहाटी और पूर्वोत्तर के अन्य शहरों तक सीधा और तेज संपर्क मिलेगा।

तैयारियों को अंतिम रूप

रोहतक रेलवे स्टेशन पर स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार ट्रेन के पहुंचते ही पारंपरिक तरीके से स्वागत होगा। ट्रेन के शुभारंभ को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह है।

विकास को मिलेगी गति

इस ट्रेन के संचालन से रोहतक के आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा। पूर्वोत्तर के साथ सीधा रेल संपर्क होने से पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ेगा। होटल, परिवहन और स्थानीय बाजारों को भी इसका लाभ मिलेगा।

अब तक इस रूट पर यात्रा में अधिक समय लगता था। व्यापारियों, विद्यार्थियों और पर्यटकों के लिए यह सेवा बेहद उपयोगी साबित होगी।

अशोक कुमार नांदल ने संभाला खंड शिक्षा अधिकारी रोहतक का कार्यभार

रोहतक। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काहनौर के प्राचार्य अशोक कुमार नांदल ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर खंड शिक्षा अधिकारी रोहतक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनके पदभार संभालने के अवसर पर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यग्रहण समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने अशोक कुमार नांदल के शैक्षणिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं प्रशासनिक दक्षता की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि उनके मार्गदर्शन में खंड रोहतक में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं नवाचार को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं समर्पण भाव से करेंगे तथा विद्यालयों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह, हरियाणा स्कूल एसोसिएशन सहित जिला रोहतक के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं अन्य शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

बदलते समय में सॉफ्ट स्किल्स करियर को बनाती हैं टिकाऊ

मदवि में बेहतर प्लेसमेंट प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग की ओर से अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्लेसमेंट हेतु रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय पर एक सप्ताह की प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह कार्यदल 24 जनवरी तक आयोजित की जा रही है। जूलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि तेजी से बदलते समय में मजबूत सॉफ्ट स्किल्स और अनुकूलन क्षमता ही करियर को टिकाऊ बनाती हैं। उन्होंने कहा कुलपति प्रो. राजबीर सिंह के नेतृत्व में और सीसीपीसी की निदेशक प्रो. दिव्या मल्हान के सहयोग से इस प्रकार की उपयोगी कार्यशाला का आयोजन संभव हो सका है। कार्यक्रम के विभागीय समन्वयक प्रो. विनय मलिक ने प्रशिक्षक का स्वागत व परिचय कराते हुए बताया कि महिंद्रा प्राइड क्लासरूम से जुड़े एसोसिएट ट्रेनर डॉ. संदीप इस एक सप्ताह के प्रशिक्षण में विशेषज्ञ के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।

रोहतक। कार्यक्रम में मौजूद महिंद्रा प्राइड क्लासरूम से जुड़े एसोसिएट ट्रेनर डॉ. संदीप,जूलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. मीनाक्षी शर्मा व विद्यार्थी।

गोशाला शेड निर्माण सामग्री की जांच की मांग

रोहतक। गांव खरावड़ स्थित बाबा टहलनाथ पीड़ित गो सेवा धाम ट्रस्ट के सदस्यों ने शेड निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ट्रस्ट के सदस्यों ने डीसी को ज्ञापन देते हुए मामले में निष्पक्ष जांच करवाने व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

बाबा टहलनाथ पीड़ित गौ सेवा धाम ट्रस्ट के सदस्य दीपक मलिक ने बताया कि सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा व मंत्री अरविंद शर्मा के कोटे से मिले 11-11 लाख रुपए से गोशाला में शेड का निर्माण शुरू किया गया। जिसमें घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा था। शेड निर्माण में घटिया लोहे के सरिए, निम्न स्तर ईंट व सीमेंट का प्रयोग हो रहा था, जिसके कारण निर्माण कार्य को रोका गया।

आरोप : मॉडल टाउन डबल पार्क के पास से बाइक सवार दंपति उठाकर ले गया

5 माह की बच्ची का अपहरण, इलाके में दहशत

6 दिन पहले गोद लेने आया था संदिग्ध व्यक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मॉडल टाउन क्षेत्र में पांच माह की मासूम बच्ची के अपहरण की घटना से सनसनी फैल गई है। डबल पार्क के पास एक बाइक सवार दंपती द्वारा बच्ची को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप है। पीड़ित महिला की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से इलाके में डर और आक्रोश का माहौल है।

बिस्कुट बेचती है पीड़िता

पीड़ित महिला गीता, निवासी पिपड़ा जिला गोंडा (उत्तर प्रदेश), वर्तमान में रोहतक की कमल कॉलोनी में किराए के मकान में रहती है। वह बजरंग भवन मंदिर के पास बिस्किट बेचकर अपने परिवार का गुजारा करती है। गीता के तीन बच्चे हैं, सबसे बड़ी बेटी शिवानी, उससे छोटा बेटा बलराम और सबसे छोटी पांच माह की बेटी गौरी। वह रोजाना तीनों बच्चों को साथ लेकर काम पर जाती थी।

रोहतक। इस बच्ची को उठाकर ले गए।

मदद के बहाने बच्ची को ले गए आरोपी

गीता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि घटना के दिन वह अपने किराए के कमरे से बच्चों के साथ बजरंग भवन मंदिर की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में एक बाइक सवार दंपति ने उससे बातचीत शुरू की और मदद करने की पेशकश की। आरोप है कि दंपति ने उसकी पांच माह की बेटी गौरी को गोद में ले लिया और कुछ सामान भी अपने पास रख लिया। कुछ दूर चलने के बाद अचानक बाइक सवार दंपति ने उसका सामान सड़क पर फेंक दिया और बच्ची को लेकर फरार हो गए।

जल्द होगी गिरफ्तारी

पांच माह की बच्ची के अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित महिला के बयान के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस की कई टीमें अलग-अलग दिशाओं में दबिश दे रही हैं और संदिग्ध बाइक सवार दंपती की तलाश की जा रही है। एसएचओ ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा। -**अंकिता एसएचओ, सिविल लाइन थाना**

अगवा किया

पीड़िता ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि मकर संक्रांति के दिन 14 जनवरी को एक व्यक्ति बजरंग भवन मंदिर के पास उससे मिला था। उस व्यक्ति ने उससे उसकी बेटी को गोद देने की बात कही थी। उसी ने अगवा किया है।

19 करोड़ से बन रहा 800 मीटर लंबा ओवरब्रिज, फाटक बंद होने की समस्या होगी खत्म

रोजाना हजारों लीटर ईंधन की बचत होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी

बेरी रोड पर मिलेगा रेलवे ओवरब्रिज का तोहफा, जाम से मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महम–बेरी रोड पर सफर करने वाले हजारों लोगों को जल्द ही सुगम यातायात की सौगात मिलने जा रही है। कलानौर कॉलेज मोड़ के पास रेलवे लाइन पर बनकर तैयार हुआ नया रेलवे ओवरब्रिज अब उद्घाटन की दहलीज पर है। करीब 800 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण लगभग 19 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इसके चालू होते ही फाटक बंद होने से लगने वाले रोजाना के जाम से लोगों को स्थायी राहत मिल सकेगी। महम, कलानौर, बेरी सहित दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला यह मार्ग क्षेत्र की जीवनरेखा माना जाता है। अब तक यहां रेलवे फाटक सबसे बड़ी बाधा था। सुबह–शाम के व्यस्त समय में स्थिति और गंभीर हो जाती थी। एंबुलेंस, स्कूल बसें और नौकरीपेशा लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होते थे। नए ओवरब्रिज के शुरू होने से वाहन चालकों को फाटक पर रुकने की मजबूरी नहीं रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार इससे रोजाना हजारों लीटर ईंधन की बचत होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। समय की बचत होने से लोगों की दिनचर्या भी आसान होगी।

आधुनिक तकनीक से बना सुरक्षित पुल

निर्माण एजेंसी के अनुसार ओवरब्रिज को आधुनिक इंजीनियरिंग मानकों के अनुसार तैयार किया गया है। इसमें चौड़ी लेन, मजबूत पिलर, उच्च गुणवत्ता की रेलिंग और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई है, ताकि रात के समय भी सुरक्षित आवागमन हो सके। भारी वाहनों के भार को ध्यान में रखते हुए डिजाइन तैयार किया गया है। फिलहाल अंतिम तकनीकी निरीक्षण और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

व्यापार और शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

स्थानीय लोगों का मानना है कि इस पुल से केवल जाम ही खत्म नहीं होगा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। किसान आसानी से अपनी फसल मंडियों तक पहुंचा सकेंगे। विद्यार्थियों को स्कूल–कॉलेज पहुंचने में कम समय लगेगा और नौकरीपेशा लोगों की आवाजाही भी सुगम होगी। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि ओवरब्रिज के खुलते ही महम–बेरी रोड विकास के नए दौर में प्रवेश करेगा।

ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहेगा

करीब 800 मीटर लंबे इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लगभग 19 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह मार्ग महम, कलानौर, बेरी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है। रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण से अब वाहनों को फाटक पर रुकना नहीं पड़ेगा। ऊपर से सीधा आवागमन होने के कारण ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहेगा।

-अरुण कुमार, कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

वीसी प्रो. राजबीर सिंह ने क्रिकेटर अदिति को स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा की उभरती युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) की ओर से खेल क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया है। एमडीयू खेल विभाग की ओर से यह प्रतिष्ठित सम्मान नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में दिया गया। एमडीयू कुलपति प्रो.राजबीर सिंह ने अदिति श्योराण को सम्मानित करते हुए कहा कि हरियाणा की इस बेटी ने अपनी प्रतिभा ही नहीं, जज्बे से बहुत ही कम उम्र में कई उपलब्धियां हासिल कर राज्य की अनेक बेटियों के लिए मिसाल पेश की है।

सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि डॉ.शरणजीत कौर ने इस मौके पर कहा कि जब अदिति जैसी बेटियां खेल ही नहीं किसी भी फिल्ड में बेहतर करती हैं, तो समाज में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। खेल विभाग निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने कहा कि एमडीयू ऐसी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की ऐसी बेटियों पर सभी को नाज होता है। अदिति श्योराण मूल रुप से सोनीपत के दुभेटा गांव की निवासी है। स्टेट, नेशनल और बीसीसीआई अंडर-15 और अंडर-19 स्तर पर बीते चार वर्षों से खेल रही हैं । नेशनल स्कूल लेवल पर अदिति अंडर-19 चंडीगढ़ गर्ल्स क्रिकेट टीम की सबसे युवा कप्तान भी रही हैं। यूटीसीए जोनल टूर्नामेंट के अलावा चंडीगढ़ में इंटर स्कूल स्टेट लेवल पर गर्ल्स टीम की कप्तान रही हैं।

रोहतक। अदिति श्योराण को सम्मानित करते मुख्य अतिथि कुलपति प्रो .राजबीर सिंह व डॉ .शरणजीत कौर।

हरिभूमि
सहेली

विशेष: गणतंत्र दिवस
वसंत पंचमी, बालिका दिवस

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती हैं, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती हैं। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्र: सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के

अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबार: मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता है: अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव नहीं, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौती: स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के उपाय खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका

नलिन खोईवाल

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमता: अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावी: कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भरा: एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनें: आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मक: आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशल: नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता को: परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावना: आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्ण: आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदु: एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

वसंत ऋतु में निहित भावबोध को समझें तो यह हमारे भीतर की एक अनुभूति भी है, जीवन जीने की एक कला है। आज की स्त्रियां इस जीवन कला को पूरे मन से अपना रही हैं, अपने संग अपनों के जीवन को वासंती रंगों से संवार रही हैं।

वसंत को जीवनपर्यंत जीती हैं स्त्रियां

जीवनशैली

सरस्वती रमेश

वसंत ऋतु परिवर्तन, सृजन, ज्ञान और नवजीवन का द्योतक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी, शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का संदेश लेकर आता है। एक तरह से यह प्रकृति की ऊष्मा को जीवन में उतारने का संदेश लेकर भी आता है। इस संदेश को अपनाने में महिलाएं सबसे आगे होती हैं। वसंत और महिलाओं की प्रकृति का यह साम्य आजीवन बना रहता है।

घर में बिखेरती हैं वसंत की सुगंध: एक स्त्री के जीवन का वसंत ठीक वैसा ही होता है, जैसा प्रकृति के बाहरी स्वरूप में दिखाई पड़ता है। जिस तरह प्रकृति अपने भीतर के साज, कोमलता, रंग, गंध और जीवन को वसंत के माध्यम से अभिव्यक्त करती है, ठीक वैसे ही एक स्त्री प्रकृति के इन विशेषणों को अपने जीवन और आचरण में धारण कर अपने घर-परिवार में बारहों महीने वसंत होने का अहसास भरती है। कोयल के कूकने में, आम्र मंजरियों की सुगंध में, सरसों के पीले फूलों को देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, कुछ-कुछ वैसी ही अनुभूति एक स्त्री सुबह-सुबह चाय की प्याली में भर कर घर भर में बिखेर देती है। उसके पकाने-खिलाने, सजाने-संवारने, पालने-पोसने से जुड़ी हर क्रिया में वसंत का ही राग और रंग निहित होता है। परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखकर उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के फूल घर की स्त्री ही खिलाती है। स्त्री के परिश्रम और समर्पण से ही उसके घर के कोने-कोने में वसंत हर समय मुस्कुराता है।

अपनों के जीवन में घोलती हैं रंग: स्त्रियों के जीवन का वसंत कोमल या संकुचित नहीं जीवंत, कर्मठ और विस्तृत होता है। आज की स्त्री अपने जीवन में वसंत लाने के साथ ही अपने पूरे परिवार के सपनों में रंग भी भरती है। वसंत का अर्थ भी यही है। हर ओर फूल, हर ओर हरियाली, हर ओर खुशहाली। उसका मानना है कि जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जीवन में संतुष्टि, कामयाबी, प्रेम, अपनत्व और प्रसन्नता का वसंत नहीं महसूस करेगा, तब तक उसके जीवन में आया वसंत एकाकी और उल्लासहीन रहेगा। उसमें उल्लास तभी शामिल होगा, जब उसके अपनों के मन के तार भी एक साथ झंकृत हों। इसीलिए आज की स्त्रियों ने घर-परिवार और बाहरी संसार के बीच कुछ इस तरह संतुलन बनाना सीख लिया है कि हर ओर वसंत मुस्कुरा उठे।

पराए को बना लेती हैं अपना: स्त्री के जीवन में वसंत जीवन भर उसके संग-संग सहचर बना रहता है। बचपन के दिनों में बाबुल के आंगन में उनकी चहचहाहट, किशोरवय की उनकी खिलखिलाहट वसंत के फूलों की तरह घर-आंगन में झरती रहती है। बेटियों के लिए उनके मां-बाप का दुलार-प्यार उनके जीवन के वसंत का सबसे मोहक पक्ष होता है। बहू के रूप में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी और देवर को सम्मान और स्नेह के सुगंध से अपना बना लेती हैं। पत्नी के रूप में अपने पति के जीवन का तो वसंत ही बन जाती हैं। ऐसी खिलती और महमहाती हैं कि पराया घर, पराए लोग कब अपने बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

लुटाती हैं वसंत की ऊष्मा: स्त्रियां घर-परिवार में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहारों में नए रंग भर देती हैं। रिश्तों में मायूसी की सारी बर्फ, ठिठुरन, ठहराव की शीत पर वसंत की ऊष्मा छिड़कते हुए हर ओर अपनेपन और प्यार के फूल खिलाती हैं, जीना सिखाती हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्क: यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

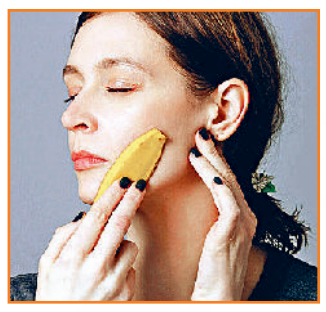

फाइन लाइंस के लिए: अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिए: केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिए: केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिए: आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

नई सोच

चैतन्या

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मान: बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

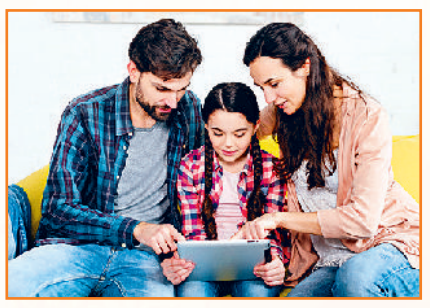

सशक्त बनाता स्नेह: हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियाद: असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का समापन

सॉफ्टबॉल में लाल नाथ हिंदू कॉलेज की टीम ने जाट महाविद्यालय को दी शिकस्त

रोहतक। एमडीयू में आयोजित सॉफ्टबाल प्रतियोगिता में शॉट लगाता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज ने हासिल किया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

एमडीयू में आयोजित इंटर कॉलेज सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हुआ। इसमें लाल नाथ हिंदू कॉलेज रोहतक ने प्रथम, जाट कॉलेज रोहतक ने दूसरा व गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज ने तीसरा स्थान हासिल किया।

सोमवार को फाइनल व तीसरे स्थान के लिए मुकाबले हुए। फाइनल मैच में लाल नाथ हिंदू कॉलेज ने जाट कॉलेज रोहतक को हराया। वहीं, तीसरे स्थान के मैच में गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज ने अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ को हराया। डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने विजेता खिलाड़ियों ने बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कोच मनोज ने भी विजेता खिलाड़ियों को हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल आयोजन से क्षेत्र में छिपी हुई प्रतिभाओं को अपना मौका दिखाने के लिए नया मंच मिलता है। उन्होंने खेलों से युवाओं को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, जो जीवन में निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में मददगार साबित होती है।

एमडीयू ने उस्मानिया विश्वविद्यालय को हराया

रोहतक। अंतर विश्वविद्यालय महिला टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी तथा खिलाड़ियों से साथ मुख्य अतिथि पूर्व महापौर मनमोहन गोयल व अन्य प्रोफेसर। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला टेनिस प्रतियोगिता में सोमवार को मेजबान महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की टीम ने उस्मानिया विश्वविद्यालय को 2–0 से पराजित किया। यह प्रतियोगिता एमडीयू के खेल परिसर में आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर की विश्वविद्यालय टीमें भाग ले रही हैं। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ ने सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय को 2–0 से हराया। कोन्नेरू विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ को 2–0 से पराजित किया। दिन का सबसे कड़ा मुकाबला दिल्ली विश्वविद्यालय और जीजीटी विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के बीच खेला गया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय ने संघर्षपूर्ण मैच में 2–1 से जीत दर्ज की। मैचों के दौरान पूर्व महापौर मनमोहन गोयल, निदेशक खेल डॉ. शकुंतला बेनीवाल, सहायक निदेशक खेल डॉ. तेजपाल, टेनिस कोच श्रवण कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। अखिल भारतीय स्तर की इस महिला टेनिस प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों की खिलाड़ी उच्च स्तरीय खेल का प्रदर्शन कर रही हैं। आने वाले दिनों में होने वाले मुकाबलों को लेकर खेल प्रेमियों में उत्साह बना हुआ है।

कॉरपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में लेजेंड्स टीम के खिलाड़ी जीते

रोहतक। 22 याड्र्स ग्राउंड में आयोजित 6वीं कॉरपोरेट टीम्स क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता लेजेंड्स टीम बनी है। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 396 खिलाड़ियों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला लेजेंड्स और ग्लैडिएटर टीमों के बीच खेला गया। जिसमें लेजेंड्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में बॉर्न क्रिकेटर्स ने अल्फा टीम को पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में मैन ऑफ द टूर्नामेंट का सम्मान केडी, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार डैनी कौशिक तथा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार यशपाल बलहारा को प्रदान किया गया। समापन समारोह के दौरान टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी 22 टीमों के कप्तानों एवं खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अमित मान, नीरज कुहाड़, रोहित शर्मा, दलीप सिंह मलिक, ऋषिपाल मलिक, रवि भारद्वाज, रविश चौहान सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

रोहतक। कोच चीनू के साथ लक्ष्य, हरमन व प्रतीक। फोटो : हरिभूमि

रोहतक के खिलाड़ियों ने नेशनल बॉक्सिंग में जीते तीन पदक

- यह प्रतियोगिता 17 व 18 जनवरी को सोनीपत में हुई।
- जिले के खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण, 1 रजत व 1 कांस्य पदक झटका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

अंडर-14 नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जिले के युवा मुक्केबाजों ने अपने पंच का दम दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। जिले के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य कुल तीन पदक जीते। यह प्रतियोगिता 17 व 18 जनवरी को सोनीपत में हुई। प्रतियोगिता के दौरान रिंग में कड़ा संघर्ष देखने को मिला, जहां हमारे खिलाड़ियों ने तकनीकी कौशल और फुर्ती का परिचय दिया। लक्ष्य ने अपनी श्रेणी में विपक्षी को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। हरमन ने कड़े मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। प्रतीक ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कांस्य पदक जीता।

खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक जीत के बाद उनके परिवारों में खुशी और जश्न का माहौल है। कोच चीनू ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा इन बच्चों की मेहनत और अनुशासन ने आज रंग दिखाया है। इन्होंने पहले भी कई मंचों पर जिले का नाम रोशन किया है और मुझे विश्वास है कि ये आगे चलकर देश के लिए ओलंपिक पदक भी जीतेंगे। कोच ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए निरंतर अभ्यास और खेल भावना को बनाए रखने का संदेश दिया।

रोहतक रॉयल्स कबड्डी चैंपियंस लीग के मैदान में उतरने को तैयार

- कोच सुरेंद्र नाडा के मार्गदर्शन में शुरू हुआ औपचारिक प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) के पहले सीजन के लिए रोहतक की टीम रोहतक रॉयल्स ने अपनी कमर कस ली है। एड्रॉइट स्पोर्ट्स एलएलपी के स्वामित्व वाली इस फ्रेंचाइजी ने सोमवार को मुख्य कोच सुरेंद्र नाडा के नेतृत्व में अपने औपचारिक प्रशिक्षण शिविर (ट्रेनिंग कैंप) की शुरुआत की।

भारतीय कबड्डी के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुरेंद्र नाडा के लिए यह कैंप उनके 15 साल के शानदार खेल करियर के बाद कोचिंग की दुनिया में एक नई पारी की शुरुआत है। 2016 वर्ल्ड कप और एशियन चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट नाडा अब अपनी रणनीति से टीम को चैंपियन बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कोच नाडा ने टीम के तालमेल पर कहा कि हमारी टीम में अनुभवी दिग्गजों और उभरते हुए युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन है। कबड्डी में ऑन-मैट समन्वय ही जीत की कुंजी है और हम उसी को मजबूत करने पर काम कर रहे हैं। कोच ने इस लीग को हरियाणा की प्रतिभाओं के लिए एक सुनहरा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कबड्डी का जुनून रग-रग में बसा है और केसीएल जैसे मंच से ग्रामीण इलाकों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कबड्डी में जैसे किसी भी अन्य खेल में, अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी है। सीनियर खिलाड़ी और कप्तान की जिम्मेदारी होती है कि वे टीम को एकजुट रखें। जब यह संतुलन सही होता है, तो एक मजबूत टीम संयोजन बनता है, और यही सफलता की कुंजी है। कोच का मानना है कि यह मंच खेल को मजबूती देने के साथ-साथ फ्रेंचाइजियों को भी धीरे-धीरे आगे बढ़ने का अवसर देगा। उन्होंने कहा कबड्डी एक पारंपरिक मिट्टी का खेल है और हम इसे कदम दर कदम आगे बढ़ा रहे हैं। जैसे-जैसे केसीएल मजबूत होगा इसे और अधिक समर्थन मिलता जाएगा। हरियाणा में खेलों को मजबूती मिलेगी, हमारी युवा पीढ़ी आगे बढ़ेगी, हरियाणा को लाभ होगा और देश को भी फायदा होगा।

रोहतक। कैंप में अभ्यास करते रोहतक रॉयल्स के खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

21 जनवरी को रोहतक पहुंचेगी ट्रॉफी

रोहतक में चल रहा यह प्रशिक्षण शिविर प्रतिस्पर्धी मुकाबलों से पहले खिलाड़ियों की पोजिशन और टीम के समग्र संतुलन के आकलन पर केंद्रित रहेगा। लीग का उत्साह बढ़ाने के लिए निकाला जा रहा केसीएल ट्रॉफी टूर पूरे प्रदेश का भ्रमण कर रहा है। यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी 21 जनवरी को रोहतक पहुंचेगी, जिससे शहर के खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के बीच उत्साह और बढ़ जाएगा। वर्तमान में चल रहा यह ट्रेनिंग कैंप मुख्य रूप से खिलाड़ियों की पोजीशनिंग और टीम के तकनीकी संतुलन को परखने पर केंद्रित है। रोहतक रॉयल्स का लक्ष्य अपनी घरेलू जमीन पर अभ्यास कर लीग में एक आक्रामक और सकारात्मक शुरुआत करना है।

नेशनल क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में प्रदेश से 32 एथलीट करेंगे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

24 जनवरी को रांची में स्पर्धा में जिले के तीन खिलाड़ी खेलेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नेशनल क्रास कंट्री चैंपियनशिप में प्रदेश से 32 एथलीट अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रतियोगिता 24 जनवरी को रांची झारखंड में आयोजित की जाएगी। इसमें रोहतक के तीन खिलाड़ी भाग लेंगे।

एथलेटिक्स प्रदेश अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने बताया कि हरियाणा टीम का टीम मैनेजर विकास गहलावत सोनीपत एवं मंदीप सोनीपत को टीम कोच नियुक्त किया गया है। मीडिया प्रभारी खेल सत्यवीर धनखड ने बताया कि एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) के 60वीं नेशनल क्रास कंट्री चैंपियनशिप का एक दिवसीय आयोजन रांची झारखंड में 24 जनवरी को किया जाएगा।

नेशनल क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में 16 पुरुष और 16 महिलाओं सहित 32 एथलीट खिलाड़ियों का दल हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। फरीदाबाद जिले से अंडर-18 में 6 किलोमीटर रेस में निशांत, अंडर-20 लड़की 6 किलोमीटर रेस में नेहा सैनी, रेवाड़ी से अंडर-20 में 8 किमी रेस में नवरत्न, अंबाला से अंडर-18 में 6 किलोमीटर रेस में अजय कुमार, चरखी दादरी से महिला वर्ग में 10 किलोमीटर रेस में तन्नु, जींद जिले से अंडर-20 में 6 किलोमीटर रेस में आरजू, पंचकूला से अंडर-18 में 4 किमी रेस में वंदना, सिरसा से अंडर-18 में 4 किलोमीटर रेस में देवेंद्र कौर भाग लेकर हरियाणा राज्य का गौरव बढ़ाएगी।

ये खिलाड़ी भाग लेंगे

प्रदीप मलिक महासचिव एथलेटिक्स हरियाणा ने बताया कि नेशनल क्रास कंट्री चैंपियनशिप रांची झारखंड में सोनीपत जिले से 10 किलोमीटर रेस में अवकाश, रोहित, अंकित, सावन राहुल, अंडर-20 में 8 किलोमीटर रेस में सुमित, अंडर-16 में 2 किलोमीटर रेस में अजय, लड़की वर्ग में अंडर-20 में 6 किलोमीटर रेस में मोनी और आरती भाग लेगी। रोहतक जिले से पुरुष वर्ग में 10 किलोमीटर रेस में रमीकेस, अंडर-20 में 8 किलोमीटर रेस में अक्षय और अंकित और महिला वर्ग अंडर-16 में 2 किलोमीटर रेस में आरजू भाग लेगी। करनाल से अंडर-20 में 8 किलोमीटर रेस में शुभम और महिला वर्ग में 10 किलोमीटर रेस में सिमरन भाग लेगी।

गणतंत्र दिवस की तैयारियां शुरू

रोहतक। गणतंत्र दिवस को लेकर रोहतक में जिला शिक्षा विभाग की ओर से तैयारियां जारी है। जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक के कुशल निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और ग्राउंड इवेंट्स को भव्य बनाने के लिए पूरा विभाग सक्रिय हो गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जिले के 13 निजी एवं सरकारी स्कूलों की टीमों ने सोमवार से तैयारी प्रारंभ की। राजीव गांधी स्टेडियम में विभिन्न 22 स्कूलों के 1600 विद्यार्थियों को पीटी, डम्बल, लेजियम का अभ्यास करवा रहे हैं जबकि बलराज आर्य के नेतृत्व में स्काउट गाइड की टुकड़ी परेड एवम मार्च पास्ट की तैयारियों में लगी है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की नोडल अधिकारी सुनीता चहल ने बताया कि जिले के 13 निजी एवं सरकारी स्कूलों की टीमों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अभ्यास शुरू कर दिया है।

दत्तक माता-पिता को सौंपी 3 माह पूर्व आई बच्ची

- पीजीआई से दत्तक ग्रहण एजेंसी के माध्यम से आश्रम में लाई गई थी बच्ची

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

चौधरी लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम में तीन माह पूर्व एक दो दिन की नवजात बालिका को प्री-एडॉप्शन प्रक्रिया के तहत उसके दत्तक माता-पिता को सौंप दिया गया। यह बालिका पीजीआई से दत्तक ग्रहण एजेंसी के माध्यम से आश्रम में लाई गई थी। बालिका का स्वास्थ्य उत्तम और उसका सौंदर्य ऐसा था कि हर कोई यह सोचने को विवश हो जाता था कि आखिर माता-पिता ने उसे कैसे परित्याग कर दिया। प्री-एडॉप्शन से पहले सभी आवश्यक दस्तावेजों का निरीक्षण स्वयं बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप द्वारा किया गया। आश्रम की परंपरा के अनुसार विधिवत हवन का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात बालिका को उसके दत्तक माता-पिता को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर आश्रम प्रधान, मंत्री युवराज सिंह, सुभाष सांगवान, रविंदर सिंह, राजरूप राठी तथा हवा सिंह राठी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आश्रम प्रबंधक संदीप सिंह ने बताया कि नियमानुसार दत्तक माता-पिता की पहचान गुप्त रखी गई है, लेकिन यह अवश्य है कि बच्ची एक पढ़े-लिखे और संपन्न परिवार में जा रही है।

स्कूलों में अभियान चलाकर बताई जाएगी पानी की अहमियत

रोहतक। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की पहल पर अब प्रदेश के राजकीय स्कूलों में पानी की अहमियत समझाने के लिए राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह मनाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना और उन्हें पानी बचाने की तकनीकियों से रूबरू कराना है। इस अभियान को चलाने के लिए जिले में 15 राजकीय स्कूलों का चयन किया गया है। वहीं, प्रदेश स्तर पर यह अभियान 383 राजकीय स्कूलों में चलाया जाएगा। जिले के प्रत्येक खंड से 3 स्कूलों का चयन करते हुए पांच खंड में कुल 15 स्कूलों को इस मुहिम से जोड़ा गया है। गतिविधि के सफल संचालन के लिए प्रति स्कूल 4,000 रुपये की राशि आवंटित की गई है।

विद्यार्थियों और स्टाफ को दिलाई सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ

- जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों पर जागरूकता सत्र का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, हरियाणा की टीम द्वारा सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों, कानूनी प्रावधानों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों पर एक प्रभावशाली जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में टीम से जसबीर सिंह व प्रवीण कुमार तथा ट्रैफिक पुलिस से जसबीर व राजेश ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी। हरियाणा सरकार की "राजवीर योजना" के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले को सम्मान व सुरक्षा दिए जाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व स्टाफ को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने इसे समय की आवश्यकता बताते हुए उपयोगी व ज्ञानवर्धक बताया। अंत में विद्यालय निदेशक सुरेंद्र मलिक व प्रधानाचार्या ने ट्रैफिक पुलिस टीम को पौधे भेंट कर सम्मानित किया।

किया जागरूक

सत्र के दौरान शैक्षिक वीडियो, जागरूकता गीतों व ऑडियो-विजुअल माध्यमों से नियमों को सरल व रोचक तरीके से समझाया गया। विद्यार्थियों को 18 वर्ष से कम आयु में वाहन चलाने पर दंड, मोबाइल फोन के प्रयोग, रेड लाइट उल्लंघन, शराब पीकर ड्राइविंग, स्पीड लिमिट, हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, एंबुलेंस को प्राथमिकता देने जैसे महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी गई। ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, इंश्योरेंस व पॉल्यूशन सर्टिफिकेट सुरक्षित रखने के बारे में भी बताया गया।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
Neuro Surgery
General Medicine
General Surgery
Orthopedics
ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज
ECHS
हरियाणा सरकार
आयुष्मान भारत
ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

निर्देश उच्चाधिकारियों के साथ समारोह की तैयारियों की समीक्षा

निर्धारित अवधि तक गणतंत्र दिवस की सारी तैयारियां पूरी करवाएं अधिकारी: एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां निर्धारित समय पर पूर्ण करवाये ताकि समारोह का भव्य आयोजन किया जा सके। संबंधित विभाग झांकियों को भी भव्य रूप से तैयार करवाये। गणतंत्र दिवस समारोह में झांकियां दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहती है। वे सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, नगराधीश अंकित कुमार, पुलिस उपाधीक्षक गुलाब सिंह, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल तथा विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

सुरक्षा व पार्किंग और झंडे की व्यवस्था करवाएगी पुलिस

एसडीएम ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन राजीव गांधी खेल परिसर में आयोजित किया जायेगा। पुलिस द्वारा सुरक्षा, पार्किंग तथा झंडे की व्यवस्था करवाई जायेगी। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यातिथि द्वारा मदवि परिसर स्थित राज्य स्तरीय युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। इसलिए नगर निगम युद्ध स्मारक की मरम्मत व साफ-सफाई का कार्य करवाये। सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण विभाग द्वारा अन्य सभी तैयारियां करवाने के साथ-साथ भूतपूर्व सेना के अधिकारियों व सैनिकों को निमंत्रण दिया जाये। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग मुख्यातिथि के रूट के अनुसार सडक मार्किंग व झंडे इत्यादि के सभी कार्य करवाये। नगर निगम द्वारा समारोह स्थल की भी साफ-सफाई करवाई जाये। सभी अधिकारी गंभीरता के साथ गणतंत्र दिवस की तैयारियां करवाये।आशीष कुमार ने कहा कि परेड में शामिल टुकडियों, सामूहिक शारीरिक अभ्यास के प्रतिभागियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की पूर्ण रिहर्सल करवाई जाये। ताकि कार्यक्रम राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप हो।

रोहतक। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक लेते उपमंडलाधीश।

प्राचीन समृद्ध संस्कृति पर आधारित हों कार्यक्रम

मीटिंग में जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन करवायेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम देशभक्ति एवं हरियाणा की समृद्ध प्राचीन संस्कृति पर आधारित होने चाहिए।

खबर संक्षेप

डॉ. सत्यवीर सिंह निराला सम्मानित

रोहतक। नई दिल्ली में हिंदी चेतना शिखर-2026 अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर निराला चैरिटेबल ट्रस्ट, कलानौर के संस्थापक व निदेशक व प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सत्यवीर सिंह निराला को साहित्यिक, संगीत, समाज सेवा, आध्यात्मिक जागृति, महिला सशक्तिकरण व सांस्कृतिक गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए लोक मंगल विभूषण लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सौरभ पाण्डेय कुलपति धराधाम ईटरनैशनल गोरखपुर ने की। कार्यक्रम का आयोजन देवनागरी उत्थान फाउंडेशन दिल्ली, धराधाम ईटरनैशनल, गोरखपुर, एशिया बुक आफ रिकार्ड श्रीलंका, पंडित तिलकराज शर्मा ट्रस्ट अमेरिका व नालंदा हिंदी विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में डा. राजेंद्र आडिटोरियम, नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश विदेश के साहित्यकारों, कलाकारों एवं बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

जिले में 65,000 से अधिक किसान, 30,000 से अधिक का रजिस्ट्रेशन

किसानों को अब एग्रीस्टैक आईडी से ही मिलेंगी सभी सरकारी सुविधाएं

अभी जिले में **66295** किसान प्रधानमंत्री सम्मान निधि का ले रहे लाभ

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

सरकार की तरफ से किसानों को मिलने वाली तमाम प्रकार की सुविधाएं अब एग्री स्टेक कार्ड से मिलेंगी। अगर किसी किसान ने अपना पंजीकरण इस कार्ड के लिए नहीं कराया तो वह सुविधाओं से महरूम रहेगा। इतना ही नहीं रजिस्ट्रेशन होने के बाद आपके आधारकार्ड से ही सरकार को ये जानकारी मिल जाएगी, देश में आपके नाम कितनी जमीन है।

कार्ड के लिए जिले में रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक 30 हजार से अधिक खातों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। ध्यान रहे कि जिले में 66295 किसान प्रधानमंत्री सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि निकट भविष्य में किसान सम्मान निधि का पैसा उन किसानों को ही मिलेगा,जिन्होंने एग्री स्टेक के लिए पंजीकरण करवाया होगा। किसान निधि ही नहीं, सभी प्रकार की सरकारी सुविधाएं एग्रीस्टैक आइडी से दी जाएंगी।

एग्रीस्टैक में कैसे होगा पंजीकरण

एग्री स्टैक फार्मर आईडी जनरेट करने के लिए किसान को सबसे पहले हरियाणा फार्मर रजिस्ट्रेशन पोर्टल ओपन करना होगा। जिसमें डेस बोर्ड पर किसान को अपना अकाउंट बनाना है। इसके बाद ई-केवाईसी सत्यापन की प्रक्रिया होगी। किसान को लॉगिन करके अपनी जमीन संबंधी डिटेल अपलोड करनी है। जिसके बाद मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। ओटीपी वेरीफाई होने उपरांत किसान की आईडी बन जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक एग्रीस्टैक आईडी बनवाने के लिए किसानों को मोबाईल नंबर से लिंक आधार कार्ड, पिछली फसल के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पंजीकरण की प्रति या जमीन से जुड़ी फर्द साथ लाना जरूरी है। एग्रीस्टैक आईडी के लिए किसान स्वयं भी पंजीकरण कर सकते हैं। इसके अलावा सीएससी सेंटरों के माध्यम से सेल्फ रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से किसान आईडी बना सकते हैं। ये आइडी ही भविष्य में सभी प्रकार की योजनाओं को लाभ लेने के लिए आधार बनेगी। जिले में स्कीम को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की रुटिन में मीटिंग हो चुकी हैं।

आईडी के बारे में जानें

सरकार द्वारा बनाया गया एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जो भारतीय कृषि क्षेत्र को डिजिटल रूप से जोड़ने और किसानों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए है। जिसमें किसान की पहचान, भूमि रिकॉर्ड, फसल की जानकारी और बीमा जैसे डेटा का एक केंद्रीकृत डेटाबेस तैयार किया जाता है। ताकि उन्हें सही समय पर लोन, इनपुट और योजनाओं का लाभ मिल सके। यह एक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है, जो सरकारी और निजी संस्थाओं को किसानों के लिए स्टीक और उपयोगी सेवाएं बनाने में मदद करता है, जिससे कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ती है। प्रशासन के मुताबिक योजना के तहत कुल 4,12,528 खातों (बकेट्स) में से 30 हजार से अधिक खातों का पंजीकरण किया जा चुका है। कर्मियों को निर्देश दिए गए है कि वे अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कर किसान पहचान पत्र बनाएं। ताकि यह योजना जिला में प्रभावी रूप से लागू हो सके। किसानों से भी प्रशासन ने अपील की कि वे अपने नजदीकी कृषि या राजस्व विभाग के कैंप/कार्यालय में जाकर आवश्यक दस्तावेजों सहित पंजीकरण करवाएं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं।

किसान की डिजिटल पहचान

एग्रीस्टैक से प्रत्येक किसान के लिए एक अद्वितीय डिजिटल पहचान बनाई जाएगी। जिसमें उनकी व्यक्तिगत और भूमि से जुड़ी सभी जानकारी होंगी। यह सरकारों को किसान-केंद्रित योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने और धोखाधड़ी रोकने में मदद करेगा, ऐसा सरकार का दावा है। किसानों को सस्ती और त्वरित वित्तीय सहायता (लोन) तक इससे मिलेगा। आने वाले समय में यह प्रत्येक किसान के लिए जरूरी हो जाएगी कि वह अपने यूनिक फार्मिंग आईडी बनाएं। इस डिजिटल आईडी से किसानों को बहुत फायदे होंगे। पीएम-किसान, फसल बीमा और खाद-बीज पर मिलने वाली सब्सिडी सीधे खाते में और बिना किसी देरी के मिलेगी। बार-बार पटवारी या दफ्तरों के चक्कर काटकर भूमि दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार के पास डेटा होने से आपदा या फसल नुकसान की स्थिति में मुआवजा वितरण अधिक पारदर्शी होगा। जो किसान के हित में रहेगा इसलिए यह काफी फायदेमंद होने वाली है।

रोहतक। एसडीएम को ज्ञापन देते सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

12 फरवरी की हड़ताल को लेकर कर्मचारी संगठनों ने कमर कसी

कर्मचारियों को पक्का करने को लेकर हाईकोर्ट ने जो आदेश दिए हैं, उनकी पालना करने की कर रहे हैं मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने गत 23 दिसंबर को कच्चे कर्मचारियों के पक्ष में पक्का करने की आदेश सरकार को दिए, लेकिन सरकार तरह-तरह के बहाने बनाकर इनकी अवेहलना कर रही है।

इसके विरोध में ही कर्मचारियों ने 12 फरवरी की हड़ताल का आह्वान किया हुआ है। इसको लेकर सोमवार को लघु सचिवालय के बाहर कर्मचारियों ने धरना दिया। इसके बाद कर्मियों ने डीसी को ज्ञापन देकर अवगत कराया कि अगर कर्मचारियों की मांग 11 फरवरी तक नहीं मांगी गई तो 12 को प्रदेश में हड़ताल की जाएगी। विरोध कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान जिला प्रधान कर्मवीर सिवाच व सचिव मनजीत पांचाल ने राज्य संगठन सचिव जयवीर चहल व राज्य सह सचिव सुमेर सिवाच व सीआईटीयू के राज्य उपाध्यक्ष कामरेड सुरेंद्र तथा किसान सभा के राज्य अध्यक्ष से कामरेड इंद्रजीत ने कहा कि भाजपा सरकार उच्च न्यायालय के आदेशों को भी अनदेखा कर रही है।कर्मचारियों की लंबे समय से मांग है की पुरानी पेंशन बहाल हो, लेकिन सरकार पुरानी पेंशन बहाल नहीं करना चाहती।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर धर्मराज कुंडू, राकेश लाकड़ा, जगपाल सांगवान, जय भगवान चहल, कामरेड प्रकाश, कामरेड विनोद देशवाल, शंभू टाक, पवन पटवारी, संजय, प्रेम धिलौड़िया, सतीश ड्राइवर, विकास दहिया, विक्रम साहू, शिवकुमार, प्रदीप जांगड़ा, राकेश चावरिया, राजेश खड़कड़ा आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को वैदिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास : कुलपति

एमडीयू में महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती और रंग महोत्सव के आयोजन को लेकर हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत आयोजित होने वाले रंग महोत्सव और महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती समारोह के भव्य आयोजन को लेकर की कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती का जीवन और उनके विचार भारतीय संस्कृति ज्ञान और सामाजिक चेतना के सशक्त प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जयंती समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों और समाज को वैदिक मूल्यों से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया जाएगा।

रोहतक। जयंती समारोह के लिए बैठक लेते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती समारोह 12 और 13 फरवरी को भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यज्ञ का आयोजन होगा व यज्ञशाला से टैगोर तक यात्रा निकाली जाएगी। विश्वविद्यालय का 7वां रंग महोत्सव 14 फरवरी से 18 फरवरी तक आयोजित होगा। इस संदर्भ में कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि रंग महोत्सव विद्यार्थियों की सृजनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच है। रंग महोत्सव की कन्वीनर डीएसडब्ल्यू प्रो. सपना गर्ग होंगी व को कन्वीनर डिप्टी डीएसडब्ल्यू प्रो. सोनू होंगी। रंग बहार की कन्वीनर प्रो. विनीता हुड्डा और को कन्वीनर प्रो. दीपक कौशिक होंगे। रंग सृजन के कन्वीनर डॉ. संजय होंगे। रंग रास के कन्वीनर प्रो. हरीश कुमार और को कन्वीनर डॉ. बेनुल तोमर होंगे। रंग कलम के कन्वीनर प्रो. सुरेन्द्र कुमार होंगे। रंग सुर की कन्वीनर प्रो. विमल और को कन्वीनर डॉ. प्रताप राठी होंगे। रंग व्यंजन के कन्वीनर प्रो. संदीप मलिक होंगे। रंग तरंग के कन्वीनर डॉ. प्रताप राठी होंगे। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एससी मलिक, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत, डीन सीडीसी प्रो. विनीता हुड्डा सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सोमवार को समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई की गई तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के निपटारे बारे दिशा-निर्देश दिए गये। एक छत के नीचे सभी विभागों की शिकायतों के तुरंत निदान के उद्देश्य से समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है।

लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में उपमंडलाधीश आशीष कुमार, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, नगराधीश अंकित कुमार, पुलिस उपाधीक्षक गुलाब सिंह, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिये। उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने कहा कि अधिकारी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए नागरिकों की शिकायतों का उचित निपटारा करें। इस अवसर पर भाजपा प्रतिनिधि एडवोकेट अंकुश बिड्डू व संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

रोहतक। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते उपमंडलाधीश आशीष कुमार, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल व नगराधीश अंकित कुमार।

शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश

सांपला के शिविर में तीन शिकायतें तथा महम में 5 शिकायतें प्राप्त हुई। सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद ने कहा कि उनकी अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतें निपटारे के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंप दिया गया। महम उपमंडल में भी उपमंडलाधीश विपिन कुमार की अध्यक्षता में समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पांच शिकायतें प्राप्त हुई। उपमंडलाधीश विपिन कुमार ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन शिकायतों का शीघ्र उचित निपटारा करवाये ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

ओमेक्स निवासी कृष्णा शर्मा का किया देहदान

रोहतक। हैप्पी होम्स ओमेक्स सिटी निवासी स्वर्गीय कृष्णा शर्मा ने अपने जीवनकाल में ही नहीं, बल्कि मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा कर एक मिसाल कायम की है। उनके परिजनों ने मरणोपरांत उनका पार्थिव शरीर पीजीआईएमएस रोहतक के एनाटॉमी विभाग को दान कर दिया, जिससे मेडिकल छात्रों को शोध एवं अध्ययन में सहायता मिलेगी। स्व. कृष्णा शर्मा के भाई नरेंद्र शर्मा और बहन संतोष मुदगिल के परिवार द्वारा यह निर्णय लिया गया। एनाटॉमी विभाग के प्रोफेसर डॉ. गोपाल ने परिजनों का आभार व्यक्त करते हुए स्मृति स्वरूप एक पौधा भेंट किया। डॉ. कमल सिंह ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति मरने के बाद भी याद्गार बनना चाहता है, तो उसे नेत्रदान व देहदान जैसे पुण्य कार्य अवश्य करने चाहिए। नरेंद्र शर्मा ने बताया कि उनकी बहन धार्मिक प्रवृत्ति की थीं और हमेशा समाज कल्याण के कार्यों में रुचि रखती थीं। पढ़ाई के प्रति उनका विशेष लगाव था और उनकी स्पष्ट इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उनका शरीर दान कर दिया जाए।

पांच दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महिला प्रकोष्ठ एवं ललित कला विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांच दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला, जो 14 जनवरी से 19 जनवरी तक चली, सोमवार 19 जनवरी को छात्राओं की रचनात्मक दृष्टि को प्रदर्शित करने वाली एक जीवंत फोटोग्राफी प्रदर्शनी के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्यशाला का संचालन संसाधन व्यक्ति रिजुल गुप्ता द्वारा किया गया, जो शिमला के एक स्वतंत्र फोटोग्राफर हैं तथा राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एनआईडी), अहमदाबाद से मास्टर डिग्री प्राप्त प्रशिक्षित पेशेवर हैं। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि हरिप्रेम हुडडा, समाजसेवी, रोहतक द्वारा किया गया। उन्होंने प्रदर्शित छायाचित्रों में परिलक्षित छात्राओं की सूक्ष्म दृष्टि, तकनीकी समझ और कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की। इस प्रदर्शनी में कुल 60 छायाचित्र प्रदर्शित किए गए, जिनमें से 21 छायाचित्र महाविद्यालय के विभिन्न विभागों पर केंद्रित थे, जबकि शेष छायाचित्रों में पूरे परिसर के वातावरण को

रोहतक। फोटोग्राफी कार्यशाला के समापन पर छात्राओं के साथ मुख्य अतिथि हरिप्रेम हुड्डा।

दर्शाया गया था। इनमें महाविद्यालय भवन एवं उसकी स्थापत्य विशेषताएं, कक्षाओं एवं पुस्तकालय में होने वाली शैक्षणिक तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां, छात्रावास मेस का जीवन, महाविद्यालय मैदान में खेल गतिविधियां, एनसीसी कैडेट्स की मार्च-पास्ट तथा परिसर में उपलब्ध प्राकृतिक तत्वों पर आधारित कुछ रचनाएं शामिल थीं।

आवासीय एवं व्यावसायिक प्लॉटों पर निर्माण अवधि बढ़ाने के निर्देश

रोहतक। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा नगर निगम में निहित नगर सुधार मंडल की योजनाओं के तहत आवंटित आवासीय एवं व्यावसायिक प्लॉटों पर निर्माण की समय-सीमा बढ़ाने संबंधी नए निर्देश जारी किए गए हैं। इस निर्णय से ऐसे प्लॉट धारकों को बड़ी राहत मिलेगी जो निर्धारित अवधि में निर्माण कार्य पूरा नहीं कर पाए थे। आयुक्त ने जानकारी दी कि जिन प्लॉटों पर भवन का निर्माण बिना स्वीकृत नक्शे के किया जा चुका है, उनकी भवन योजना की वैधता बढ़ाने के लिए निर्धारित दरों पर एक्सटेंशन फीस देय होगी। नगर निगम क्षेत्र में यह शुल्क 20 रुपये प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष तय किया गया है। वहीं जिन मामलों में आवंटित प्लॉट पर तय अवधि में निर्माण कार्य शुरू ही नहीं किया गया, उन पर 40 रुपये प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष के हिसाब से एक्सटेंशन फीस लगेगी, ताकि समय पर निर्माण को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का यह निर्णय शहर में नियोजित और सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने, भू-उपयोग के सही क्रियान्वयन तथा लंबित निर्माण कार्यों को गति देने के उद्देश्य से लिया गया है। इससे नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। नगर निगम आयुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए नियमानुसार एक्सटेंशन फीस जमा कराएं और भवन योजना की वैधता बढ़वाकर दी गई छूट का लाभ उठाएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी या तकनीकी परेशानी का सामना न करना पड़े।

एमटीएफसी ऑर्गेनाइजेशन की पहल

700 बच्चों ने लिया नशा मुक्त समाज का संकल्प

मानवता अपनाएंगे, नशे को दूर भगाएंगे विषय पर जागरूकता सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कन्हैली रोड स्थित एमटीएफसी ऑर्गेनाइजेशन द्वारा नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय था, मानवता अपनाएंगे, नशे को दूर भगाएंगे, स्वस्थ समाज बनाएंगे। कार्यक्रम में पीजीआईएमएस के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण मल्होत्रा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस सेमिनार में करीब 700 बच्चों ने फिजिकल और डिजिटल माध्यम से भागीदारी की। कन्हैली रोड स्थित एमटीएफसी ऑर्गेनाइजेशन मुख्यालय के बच्चों ने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर शीतल नगर, इंदिरा कॉलोनी, हिसार रोड, नेहरू कॉलोनी और रैनकपुरा के बच्चों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जुड़कर सेमिनार को सुना।

विद्यार्थियों ने लिया नशा न करने का संकल्प

सेमिनार के दौरान एमटीएफसी ऑर्गेनाइजेशन के विद्यार्थियों ने डॉ. प्रवीण मल्होत्रा की इस सामाजिक मुहिम को अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। विद्यार्थियों ने अपने विचार साझा करते हुए संकल्प लिया कि वे कभी नशे को हाथ नहीं लगाएंगे और अपने माता-पिता व सगे-संबंधियों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे। अपने अनुभव साझा करते समय कई बच्चे भावुक हो गए, जिसने कार्यक्रम को और भी संवेदनशील व प्रभावशाली बना दिया।

18 वर्षों से बच्चों की सेवा में जुटा मल्होत्रा परिवार

ऑर्गेनाइजेशन के प्रधान नरेश ढल ने कहा कि डॉ. प्रवीण मल्होत्रा जैसे डॉक्टर समाज के लिए प्रेरणा हैं, जो अपनी व्यक्तिगत पीड़ा से ऊपर उठकर समाज की पीड़ा को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने बताया कि मल्होत्रा परिवार पिछले 18 वर्षों से एमटीएफसी ऑर्गेनाइजेशन के बच्चों की निस्वार्थ सेवा में जुटा हुआ है, जो समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है।

नशा सबसे बड़ा दुश्मनः डॉ. प्रवीण मल्होत्रा

सेमिनार को संबोधित करते हुए डॉ. प्रवीण मल्होत्रा ने सबसे पहले अच्छा इंसान बनने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसा अभिशाप है, जो इंसान को अच्छे मार्ग से भटका देता है। नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को बर्बादी की कगार पर ला खड़ा करता है। डॉ. मल्होत्रा ने अपने चिकित्सकीय अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे रोजाना देखते हैं कि करीब 70 प्रतिशत बीमारियों की जड़ नशा होता है। उन्होंने कहा कि नशे के खात्मे के लिए वे देशभर में इस मुहिम को और मजबूती से आगे बढ़ाएंगे, ताकि युवा पीढ़ी को समय रहते इस दलदल से बाहर निकाला जा सके।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

नागरिक बनेंगे विकास के भागीदार

शहर के हर वार्ड में गठित हुई एरिया सभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा म्यूनिसिपल सिटीजन पार्टिसिपेशन एक्ट, 2008 के प्रावधानों के तहत नगर निगम रोहतक द्वारा प्रत्येक वार्ड में एरिया सभा का गठन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों की विकास कार्यों में सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराना है।

आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि एरिया सभा का गठन अधिनियम की धारा-8 के अंतर्गत किया गया है। इसके तहत एरिया सभा अपने क्षेत्र से संबंधित विकास योजनाओं के प्रस्ताव तैयार करेगी, उनकी प्राथमिकताएं तय करेगी और उन्हें वार्ड समिति अथवा नगर निगम की योजनाओं में शामिल करने के लिए अग्रेषित करेगी। इससे विकास कार्यों की रूपरेखा तय करने में आम नागरिकों की भूमिका मजबूत होगी। एरिया सभा के प्रमुख दायित्वों में पात्र लाभार्थियों की पहचान कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना, स्ट्रीट लाइट, सड़कें, सार्वजनिक शौचालय, स्वच्छता इकाइयों जैसी सुविधाओं के लिए उपयुक्त स्थानों का सुझाव देना शामिल है। इसके अलावा क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं की कमियों की पहचान कर सुधारात्मक कदम सुझाना, सार्वजनिक स्वास्थ्य गतिविधियों में सहयोग करना, महामारी या प्राकृतिक आपदा की सूचना देना तथा विकास कार्यों के लिए स्वैच्छिक श्रम व संसाधनों को संगठित करना भी इसके कार्यक्षेत्र में रहेगा। कर का खाका तैयार करने में सहयोग करते हुए नागरिकों को नगर निगम कर और यूजर चार्ज के भुगतान के लिए जागरूक करना भी एरिया सभा की जिम्मेदारी होगी।

एरिया सभा का पुनर्गठन नवीनतम मतदाता सूची के आधार पर

डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि सभी वार्डों में एरिया सभा का पुनर्गठन नवीनतम मतदाता सूची के आधार पर किया गया है। प्रत्येक सभा के लिए मतदाताओं की संख्या, संबंधित बूथ नंबर निर्धारित किए गए हैं और नगर निगम के कर्मचारियों को एरिया सभा सचिव नियुक्त किया गया है। संबंधित क्षेत्र के सभी मतदाता इसके सदस्य होंगे। एरिया सभा से जुड़े आदेश नगर निगम की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। एरिया सभा के गठन से स्थानीय समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी और कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी।